

# सीएलएसए ने वेदांता के डीमर्जर के बाद बनने वाली कंपनियों का मूल्यांकन 41.5 अरब डॉलर आंका

ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए ने वेदांता लिमिटेड के डीमर्जर के बाद बनने वाली इकाइयों का प्रो-फॉर्मा सम-ऑफ-द-पार्ट्स (SOTP) आधार पर लगभग 41.5 अरब डॉलर का मूल्यांकन किया है। सीएलएसए के अनुसार, इन इकाइयों का कुल प्रो-फॉर्मा मूल्यांकन 955 प्रति शेयर है, जो ब्रोकरेज के मौजूदा लक्ष्य मूल्य 835 प्रति शेयर से अधिक है। 20 मार्च को वेदांता का शेयर 667.30 पर बंद हुआ था। अपनी हालिया रिपोर्ट में ब्रोकरेज ने कहा कि संस्थागत निवेशकों के बीच, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट, यूटीआई एसेट मैनेजमेंट और आदित्य बिड़ला सन लाइफ एसेट मैनेजमेंट जैसे बड़े घरेलू फंड हाउस वेदांता में निवेशक हैं, जो डीमर्जर से पहले शेयर में स्थिर संस्थागत रुचि को दर्शाता है। ब्रोकरेज का मानना है कि डीमर्जर से कंपनी का आंतरिक मूल्य मौजूदा लक्ष्य मूल्य से अधिक उभर सकता है, क्योंकि इससे निवेशकों को प्रत्येक व्यवसाय का अलग-अलग मूल्यांकन करने का अवसर मिलेगा और संचालन में पारदर्शिता बढ़ेगी। प्रस्तावित डीमर्जर के तहत वेदांता को अलग-अलग वर्टिकल्स में विभाजित किया जाएगा, जिनकी शेयरहोल्डिंग संरचना समान होगी। मौजूदा शेयरधारकों को नई सूचीबद्ध कंपनियों में उनके हिस्से के अनुपात में शेयर मिलेंगे। सीएलएसए को उम्मीद है कि डीमर्जर की रिकॉर्ड तिथि अप्रैल 2026 के मध्य के

आसपास तय की जाएगी, जिसके बाद सभी नई इकाइयों की लिस्टिंग पूरी होगी। डीमर्ज्ड कंपनियों के शेयर जारी होने की प्रक्रिया इसके 4-6 सप्ताह के भीतर पूरी होने की संभावना है। मूल्यांकन के संदर्भ में, सीएलएसए ने कहा कि बेस मेटल्स और एल्युमिनियम व्यवसाय कुल 41.5 अरब डॉलर के अनुमान में सबसे बड़ा योगदान देते हैं, जो समूह में इनके पैमाने, लाभप्रदता और पूंजी-गहन प्रकृति को दर्शाता है। ब्रोकरेज के अनुसार, इसका SOTP मूल्यांकन FY28 के परिदृश्य पर आधारित है, जबकि मौजूदा लक्ष्य मूल्य सितंबर 2027 के अनुमानों पर आधारित है, जिससे उच्च मूल्यांकन परिलक्षित होता है। डीमर्जर के बाद बेहतर पूंजी आवंटन और स्पष्ट व्यवसाय फोकस से अतिरिक्त बढ़त की संभावना भी जताई गई है। सीएलएसए के मुताबिक, पुनर्गठन में ऋण का आवंटन एक महत्वपूर्ण पहलू है। ब्रोकरेज ने वेदांता के समेकित कर्ज को विभिन्न इकाइयों में पूंजी निवेश, ऐतिहासिक निवेश और नकदी सृजन क्षमता के आधार पर विभाजित किया है। एल्युमिनियम और बेस मेटल्स व्यवसाय से सबसे मजबूत फ्री कैश फ्लो आने की उम्मीद है, जो ऑयल एंड गैस कारोबार के साथ उच्च डिविडेंड भुगतान का समर्थन करेगा। भूराजनीतिक परिदृश्य और वेदांता की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए सीएलएसए ने कहा कि एल्युमिनियम, जिंक और ऑयल जैसे विविध कमोडिटी एक्सपोजर के चलते कंपनी बेहतर स्थिति में है।